

**भारत सरकार**  
**जल शक्ति मंत्रालय**  
**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**  
**लोक सभा**  
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1731**  
**जिसका उत्तर 01 अगस्त, 2024 को दिया जाना है।**

.....

**उत्तर प्रदेश में बाढ़**

**1731. श्री उत्कर्ष वर्मा:**

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या केन्द्र सरकार को जानकारी है कि पड़ोसी देश नेपाल की दो नदियों महोना और सुहेली से अनावश्यक रूप से पानी छोड़े जाने के कारण उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिला और अन्य पड़ोसी जिले विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं और यदि हां, तो उक्त बाढ़ के ठोस कारणों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में भयंकर बाढ़ की स्थिति को देखते हुए आम लोगों की फसलों को बचाने के लिए भुल्लनपुर साइफन, नौलखिया साइफन, मल्लाभेन साइफन और सुखनी साइफन सहित सभी साइफन की सफाई का कार्य कराने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में बाढ़ को रोकने के लिए महोना, सुहेली, शारदा और घाघरा नदियों के पानी को नियंत्रित करने के लिए मजबूत तटबंध बनाने पर विचार कर रही है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री राज भूषण चौधरी)**

**(क):** उत्तर प्रदेश सरकार ने जानकारी दी है कि लखीमपुर खीरी जिला उत्तर दिशा में नेपाल से घिरा हुआ है और नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में मोहना और सुहेली नदियों से बहने वाला जल अबाधित रूप से उत्तर प्रदेश के जिला लखीमपुर, तहसील-पलिया में प्रवेश करता है क्योंकि नेपाल की ओर इन दोनों नदियों पर नियंत्रण वाली कोई संरचना नहीं है।

**(ख):** नालियों (साइफनों) का रख-रखाव और सफाई संबंधी कार्य राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आता है। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने सूचित किया है कि इस क्षेत्र में ग्यारह साइफन हैं जिनमें से दस साइफन की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है।

**(ग) और (घ):** तटबंधों के निर्माण सहित बाढ़ प्रबंधन संबंधी कार्य राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आते हैं। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले को लाभान्वित करने वाली घाघरा और शारदा नदी पर तीन बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं को बाढ़ प्रबंधन और सीमावर्ती क्षेत्र कार्यक्रम के बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम घटक के तहत 44.16 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता प्रदान की गई है।

\*\*\*\*\*